Dr. Jaya
Deptt. of Sociology
B.A Part - II (Hons.) Paper - IV

Social research

मनुष्य एक बौद्धिक प्राणी है। वह बड़ा ही जिज्ञासु होता है एवं प्रति क्षण अज्ञात के बारे में क्या, क्यों और कैसे का उत्तर पाने की चेष्टा किया करता है। अज्ञात के प्रति यही जिज्ञासा ही वैज्ञानिक प्रगति का मूलाधार है। एक ओर यदि वह प्रकृति के रहस्यों को जानकर अपनी मानसिक जिज्ञासा को तुष्टि करता है, तो दूसरी ओर समाज एवं उसके विभिन्न पक्षों से संबंधित घटनाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त कर अपनी ज्ञान-पिपासा को शांत करने के लिए भी प्रयत्नशील रहता है। वह नवीन सिद्धांतों का निर्माण करने, पुराने सिद्धांतों की पुनः परीक्षा एवं उसमें प्रयुक्त प्रविधियों की सत्यता एवं उपयोगिता की जाँच किया करता है। सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर कार्य कारण का संबंध स्थापित करना एवं निरंतर मानव ज्ञान के भंडार को भरने हेतु ऐसे अध्ययन ही सामाजिक अनुसंधान की संज्ञा से विभूषित किया जाता है।

Research को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

Research

- Positive Research
- Applied Research

Positive Research — Positive Research अर्थात घटनाओं के बारे में क्रमबद्ध एवं वैज्ञानिक अध्ययन को कहा जा सकता है। जिसका उद्देश्य घटना में निहित कार्य कारणों की व्याख्या कर ज्ञान का प्रसार फैलाना करना होता है भले ही इससे भौतिक लाभ प्राप्ति की मात्रा न के बराबर ही क्यों न हो।

Applied Research — किसी विशेष एवं तात्कालिक घटना से संबंधित अध्ययन कर अस्पष्ट तथ्यों को स्पष्ट करता है तथा इस भाँति समस्या विशेष का हल प्रस्तुत करता है।

example — कोरोना वायरस जो कि गंभीर छुआछूत वाली बीमारी है जो चीन, इटली, और जर्मनी जैसे विकसित देशों में तबाही मचा चुकी है इसके अस्पष्ट तथ्यों को भारत देश के डॉक्टरस, वैज्ञानिक, [illegible] आदि के द्वारा इस पर Research जारी है कि आखिर इस बीमारी के फैलाव को कैसे कम किया [illegible]

इन समस्या के हल को ढूँढने का प्रयास किया जा रहा है और हमारे प्रधानमंत्री के द्वारा पूरे भारतवासियों को एकजुट होकर इनके समस्या से निपटने के लिए एक से एक तरकीब को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सामाजिक अनुसंधान प्रायः विशुद्ध प्रकृति का होता है। इसको और भी अधिक स्पष्ट करने के लिए हम इसकी परिभाषा को देखते हैं :—

A/c P.V. young :- we may define Social research as the systematic method of discovering new facts and verifying old facts their sequence interrelationships Causal explanations and the natural laws which govern them.

सामाजिक अनुसंधान को ... हम नये तथ्यों की खोज, पुराने ... सत्यापन, उनकी क्रमबद्धताओं ... कार्य-कारण व्याख्याओं ... करने वाले स्वाभाविक नियमों ... खोज के रूप में कर ... के ...

P.V. young
सामाजिक अनुसंधान ... की ... संबंधित प्रक्रियाओं

तथा विश्लेषण है।

– Social research is a disciplined inquiry and analysis of interrelated Process of social reality.

Dictionary of Education में दी गई C.V. Good की सामाजिक अनुसंधान की परिभाषा उत्तम मानी जाती है।

A/c C.V. Good :- Research is ideally the careful unbiased investigation of a Problem based in so far possible upon demonstrable facts and involving refined distinctions, interpretation and usually some generalization.

"आदर्श रूप में अनुसंधान एक समस्या का सावधानी पूर्वक, निष्पक्षतापूर्वक किया गया अध्ययन होता है जो कि तथ्यों की विवमता, उनके स्पष्टीकरण व सामान्यीकरण पर निर्भर है।

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि

1) सामाजिक अनुसंधान सामाजिक घटना से संबंधित रहता है। यह मनुष्य के व्यवहार को उनके उद्देश्य के संदर्भ में अध्ययन करता है। तथा विभिन्न पहलुओं में उनकी भावनाओं, प्रवृत्तियों ...

का पता लगाता है।

2. सामाजिक अनुसंधान के दो उद्देश्य होते है :-

(i) नये तथ्यों की खोज तथा

ii) पुराने तथ्यों का सत्यापन

प्रत्येक विज्ञान का उद्देश्य नये तथ्यों तथा नये संबंधों एवं घटना को संचालित करने वाले किसी नए नियम की खोज करना होता है। परंतु एक बार नियमों के बन जाने के पश्चात भी बराबर उनके संबंध में खोज करना आवश्यक होता है, विशेष कर उन विज्ञानों में जो गतिशील है। सत्यापन की आवश्यकता दो कारणों से पड़ती है।

(a) अनुसंधान की प्रणाली में सुधार हो गया हो तथा

(b) नवीन विधियों के अनुसार पुराने सिद्धांतों की जांच आवश्यक हो गई हो।

(b) घटना की परिस्थितियों में परिवर्तन हो चुका हो क्योंकि समाज परिवर्तनशील है और पुराने सिद्धांतों का सत्यापन नई परिस्थितियों में प्रमाणित करना है।

चूंकि समाजशास्त्र एक गतिशील विज्ञान है। अतएव दोनों ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अनुसंधान किए जाते हैं।

3. सामाजिक अनुसंधान [illegible]

घटनाओं को संचालित करने वाले तथ्यों की खोज करता है जो विभिन्न सामाजिक घटनायें, लोगों के व्यवहार तथा सामाजिक तथ्यों की क्रियायें स्वतः स्वतंत्र हैं अथवा किसी नियम के द्वारा संचालित हैं। पुनः सामाजिक विघटन तथा सामाजिक विकास एक आकस्मिक घटना है अथवा किसी नियम द्वारा संचालित होता है इत्यादि। अनुसंधान ने अब सिद्ध कर दिया है कि भौतिक घटनाओं की भाँति ही सामाजिक घटनायें भी सुदृढ़ नियमों द्वारा संचालित होती हैं तथा नियमों का पता लगा लेने पर हमें उनका पहले से ही अनुमान लगा सकते हैं। उनके द्वारा सामाजिक विघटन को रोका जा सकता है।

4. सामाजिक अनुसंधान विभिन्न तत्वों के बीच संबंधों की खोज करता है। विभिन्न सामाजिक घटनायें प्रायः स्वतंत्र न होकर एक दूसरे से संबंधित होती हैं। इनमें कार्य-कारण संबंध होता है। ~~सामाजिक~~

example: गरीबी और अपराधों
गंदी बस्तीयों बस्तियों तथा मृत्यु दर में परस्पर कार्य-कारण संबंध हो सकता है।